आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

# दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 44 | उज्जैन, शनिवार 04 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

# कला साध्य भी है, आराध्य भी है-मुख्यमंत्री

## मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय कला उत्सव 2024-25 का किया शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को एनसीईआरटी परिसर भोपाल के कला मंडपम में संस्कृति और कला के अनूठे संगम राष्ट्रीय कला उत्सव 2024-25 का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर भव्य आयोजन की शुरुआत की। कार्यक्रम में पारंपरिक और आधुनिक कला सामंजस्य का सुंदर समावेश किया गया है। राष्ट्रीय कला उत्सव 2024-25 सोमवार 6 जनवरी तक चलेगा, जिसमें देशभर से आए कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कला हमारे समाज, हमारी संस्कृति का प्रतिबिंब है। इसे बढ़ावा देना हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कला एक साधना और कलाकार एक साधक है। कला साध्य भी है और आराध्य भी है। कला ही समाज को अलंकृत करती है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा कलाकारों और सांस्कृतिक संस्थाओं को हर संभव समर्थन देने की बात कही और कला के संरक्षण और संवर्धन पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भगवान श्रीकृष्ण का उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण 64 कलाओं और 14 विधाओं में निपुण थे। वे ललित कलाओं में पारंगत थे। वे रागी थे, अनुरागी थे, धर्म की स्थापना के लिए इस धरा पर आये परम योगी थे। यौगिक क्रियाओं के प्रवर्तक श्रीकृष्ण सच्चे अर्थों में योगिराज थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अनेकता से एकता भारत की विशेषता है।

हमें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर नाज़ करना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह उत्सव, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 से प्रारंभ किया गया यह एक अनूठा कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को विकसित करना और भारतीय कला एवं शिल्प की धरोहर को संरक्षित तथा यथावत रखना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपरा को विद्यार्थियों में प्रचारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

# आपस में उलझे नौसेना अधिकारियों के पैराशूट, रिहर्सल के समय हुआ हादसा, बाल-बाल बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में ऑपरेशन डेमोस्ट्रेशन में भाग ले रहे दो नौसेना के अधिकारी बाल-बाल बच गए। बता दें कि रामकृष्ण ब्रीच पर नौसेना के दो अधिकारी पूर्वी नौसेना कमान के ऑपरेशनल डेमोस्ट्रेशन रिहर्सल के दौरान नीचे उतरते समय उनके पैराशूट आपस में उलझ गए।

जिसके बाद नीचे उतरते समय वह पानी में गिर गए और किसी तरह की अनहोनी होने से बच गई। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना कल हुई। अधिकारी सुरक्षित थे और किनारे पर सुरक्षित पहुँच गए।

वीडियो में पैराशूट उलझे हुए दिखाई दे रहे हैं, एक अधिकारी राष्ट्रीय ध्वज के साथ नीचे उतर रहा है और दूसरे अधिकारी का पैराशूट फंस गया है। दोनों अधिकारी तेजी से ऊंचाई पर संतुलन खो बैठे और नीचे उतरने पर तट के करीब पानी में गिर गए।

जिस जगह दोनों अधिकारी गिरे थे, वहां नौसेना की एक नाव मौजूद थी, जिसने उन्हें सुरक्षित बचा लिया।

रिहर्सल देखने के लिए समुद्र तट पर कई लोग मौजूद थे। यह कार्यक्रम कल होना है और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू मुख्य अतिथि होंगे।

# तमिलनाडु में स्टालिन के मंत्री के घर ED की रेड, RBI के निर्देशों के उल्लंघन से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्य मंत्री और डीएमके महासचिव दुरईमुरगन के खिलाफ जांच के तहत शुक्रवार को तमिलनाडु में छापेमारी की। इसकी जानकारी आधिकारिक सूत्रों ने दी।

उन्होंने बताया कि वेल्लोर में करीब चार स्थानों पर तलाशी ली जा रही है।

उन्होंने बताया कि तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री और कुछ अन्य के खिलाफ मामला भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशा-निर्देशों के कथित उल्लंघन और 200 रुपये के नोटों को 500 और 1,000 रुपये के नोटों से बदलने में बैंक अधिकारियों द्वारा की गई धोखाधड़ी से संबंधित है।

वनमंत्री पोनमुडी के खिलाफ भी चल रही जांच- ईडी ने जुलाई 2023 में तमिलनाडु सरकार में वन मंत्री के पोनमुडी और उनके बेटे डॉ. पी गौतम सिगामणि के परिसरों पर छापेमारी की थी। इसके बाद उनकी 14 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई थी। पोनमुडी पर आरोप है कि वे 2007-2010 तक तमिलनाडु सरकार में खान मंत्री थे।

# भारत-चीन फिर आमने-सामने, लद्दाख क्षेत्र में नई काउंटी बनाने पर बढ़ी टेंशन; विदेश मंत्रालय ने कहा- मंजूर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने शुक्रवार को कहा कि उसने होटन प्रान्त में दो नए काउंटी बनाने पर चीन के समक्ष गंभीर विरोध दर्ज कराया है। भारत का कहना है कि इन क्षेत्रों के कुछ हिस्से भारतीय केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में आते हैं।

नई दिल्ली ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नए काउंटी बनाने से न तो क्षेत्र पर अपनी संप्रभुता के संबंध में भारत की दीर्घकालिक और सुसंगत स्थिति पर कोई असर पड़ेगा और न ही चीन के अवैध और जबरन कब्जे को वैधता मिलेगी।

अवैध कब्जा स्वीकार नहीं विदेश मंत्रालय- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने क्षेत्र में भारतीय क्षेत्र पर अवैध चीनी कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने कहा, हमने चीन के होटन प्रान्त में दो नए काउंटी बनाने से संबंधित घोषणा देखी है। इन तथाकथित काउंटी के अधिकार क्षेत्र के कुछ हिस्से भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में आते हैं।

उन्होंने कहा, हमने इस क्षेत्र में भारतीय क्षेत्र पर अवैध चीनी कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। जायसवाल ने कहा, नए देशों के निर्माण से न तो इस क्षेत्र पर हमारी संप्रभुता के बारे में भारत की दीर्घकालिक और सुसंगत स्थिति पर कोई असर पड़ेगा और न ही चीन के अवैध और जबरन कब्जे को वैधता मिलेगी। उन्होंने आगे कहा, हमने कूटनीतिक चैनलों के माध्यम से चीनी पक्ष के समक्ष गंभीर विरोध दर्ज कराया है।

# सीबीआई ने भ्रष्टाचार के आरोप में अपने ही डीएसपी के खिलाफ दर्ज किया केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने भ्रष्टाचार के आरोप में मुंबई ब्रांच में तैनात अपने ही डीएसपी बीएम मीणा के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। मीणा सीबीआई के बैंकिंग एंड सिक्यूरीटीज फ्रांड ब्रांच में तैनात था। उस पर अपने जांच के दायरे में आने वाले केस में लोगों से रिश्वत लेने का आरोप है।

आरोप की प्राथमिक जांच में सबूत मिलने के बाद सीबीआई ने मीना के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उससे संबंधित 20 स्थानों पर छापा मारा। छापे में सीबीआई ने 55 लाख रुपये नकद, 1.78 करोड़ रुपये की संपत्ति के कागजात और 1.63 करोड़ रुपये की लेन-देने के सबूत मिले हैं।

जानिए सीबीआई ने क्या कहा?

सीबीआई के प्रवक्ता आरसी जोशी ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति के तहत एजेंसी अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ मिली शिकायतों पर निष्पक्ष जांच करती है और सबूत मिलने के बाद उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। मीणा के खिलाफ कार्रवाई इसका ताजा उदाहरण है। उनके अनुसार मीना ने रिश्वत की रकम लेने के लिए कई बिचौलियों का इस्तेमाल करता था, जिनमें कई की पहचान हो चुकी है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

रिश्वत की रकम का इस्तेमाल करने के पहले मीणा उसे कई खातों में घुमाता था, ताकि उसपर किसी को संदेह नहीं हो। इसके साथ ही वह हवाला के मार्फत नकद में भी रिश्वत की रकम लेता था।

# डिग्री ही नहीं, रोजगार भी दिलाएंगे कॉलेज और यूनिवर्सिटी; यूजीसी ने जारी किया ड्राफ्ट

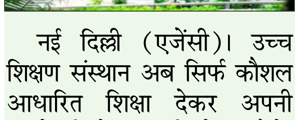


नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्च शिक्षण संस्थान अब सिर्फ कौशल आधारित शिक्षा देकर अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ सकेंगे, बल्कि उन्हें इसकी पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए रोजगार के अवसर भी मुहैया कराने होंगे। देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक शिक्षा के साथ कौशल आधारित शिक्षा देने को लेकर तैयार किए मसौदे में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने यह अहम सिफारिश की है।

आयोग ने इसके तहत प्रत्येक संस्थानों से रोजगार मेले आयोजित करने और रोजगार के लिए छात्रों की काउंसिल करने जैसे सुझाव भी दिए है।

# सत्ता बदलने से पहले भारत-अमेरिका के बीच अहम बैठक, अजीत डोभाल से मिलेंगे जैक सुलीवान; इन मुद्दों पर होगी चर्चा

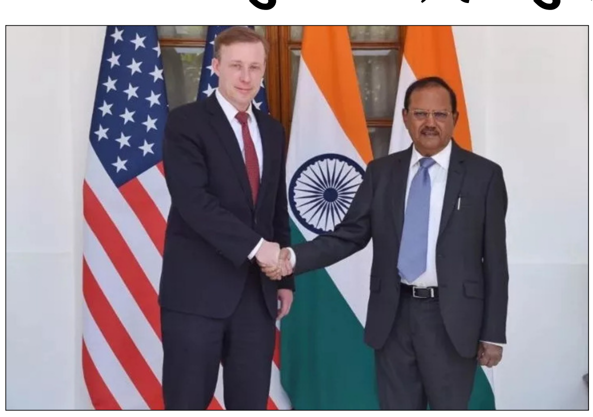

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में कुछ दिनों बाद 20 जनवरी 2025 को सत्ता बदलने वाली है लेकिन उसके पहले भारत और अमेरिका के बीच कुछ अहम द्विपक्षीय मुद्दों पर एक अहम बैठक होने जा रही है। यह बैठक अगले हफ्ते होगी जब अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जैक सुलीवान भारत दौरे पर आएंगे। वह यहां एक सार्वजनिक कार्यक्रम में भाषण देंगे जिसमें भारत-अमेरिका संबंधों व वैश्विक हालात पर अपने विचार रखेंगे और भारत के एनएसए अजीत डोभाल के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे।

जयशंकर से भी मिलेंगे सुलीवान- सुलीवान की विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ भी मुलाकात होनी है। वैसे जयशंकर और सुलीवान के बीच पिछले हफ्ते वाशिंगटन में भी मुलाकात हुई थी। भारत के विदेश मंत्री जयशंकर सात दिनों की अप्रत्याशित यात्रा पर अमेरिका गये थे।

सूत्रों ने बताया कि भारत व अमेरिका के एनएसए के बीच होने वाली बैठक में मुख्य तौर पर बेहद महत्वपूर्ण व अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल में सहयोग पर गठित व्यवस्था इनिसिएटिव ऑन क्रिटिकल व इमर्जिंग टेक्नोलॉजी (आईसीईटी) का मुद्दा होगा।

दिल्ली में होगी तीसरी बैठक- आईसीईटी की शुरुआत दोनों देशों ने जनवरी, 2023 में वाशिंगटन में की थी। इसके बाद यह तीसरी बैठक होगी। सत्ता परिवर्तन के बावजूद अमेरिकी एनएसए की तरफ से इस बैठक में हिस्सा लेने के लिए आना यह बताता है कि वहां की सरकार इस सहयोग को लेकर कितनी गंभीर है।

यह व्यवस्था मुख्य तौर पर दोनों देशों के रणनीतिक प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल व उनके हस्तांतरण का रास्ता साफ करता है। इसमें सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशिएल इंटेलीजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, 6जी जैसी प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में भारत व अमेरिका के बीच बेहद गहरे रणनीतिक ताल्लुक की रणनीति बन रही है।

जेट इंजन की तकनीक पर होगी बात- इस बैठक में रक्षा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी ट्रांसफर का मुद्दा भी उठेगा। रक्षा क्षेत्र में तकनीकी सहयोग का मुद्दा भी आइसीईटी के तहत आता है। अभी दोनों देशों के बीच जेट इंजन से जुड़ी प्रौद्योगिकी को लेकर बात चल रही है और ताजी जानकारी यह है कि कुछ वजहों से इसमें अड़चनें आ रही है।

# नेतन्याहू का जवाब नहीं! इजरायल के 120 सैनिकों ने उड़ा दी मिसाइल फैक्ट्री; महज तीन घंटे में ईरान की पांच साल की मेहनत हुई तबाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल ने चार महीने पहले सीरिया में सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दिया, जिससे ईरान के पसीने छूट गए। दरअसल, ईरान ने सीरिया में एक मिसाइल फैक्ट्री का निर्माण किया था, जिसे इजरायली सेना ने तबाह कर दिया।

इस सैन्य मिशन को इजरायल ने ऑपरेशन मेनी वेज नाम दिया था। इस मिशन के तहत इजरायली वायुसेना के 120 एलीट कमांडो की एक स्पेशल यूनिट ने सीरिया में दाखिल होकर ईरान की मिसाइल फैक्ट्री को तबाह कर दिया।

इजरायली सेना ने अनुसार, ईरान ने पश्चिमी सीरिया के मस्फया इलाके में पहाड़ खोदकर अंडरग्राउंड मिसाइल फैक्ट्री बनाई थी। यहां से मिसाइलें तैयार कर हिजबुल्लाह और असद की सेना को दिया जाता था।

साल 2021 में बनकर तैयार हुआ था फैक्ट्री- जानकारी के मुताबिक, साल 2017 में ईरान ने इस मिसाइल फैक्ट्री के निर्माण की शुरुआत की थी। साल 2021 में यह फैक्ट्री बनकर तैयार हो गया था। इस फैक्ट्री का लोकेशन काफी सोच समझकर तय किया गया था। यह सीरिया के पश्चिमी तट से 45 किलोमीटर दूर मौजूद था।

इजरायल ने किस तरह ऑपरेशन मेनी वेज को दिया अंजाम- इजरायली सेना ने मिसाइल फैक्ट्री की सारी जानकारी इकट्ठा करने के बाद मिशन को अंजाम देने का फैसला किया। इजरायली सेना ने इसे ऑपरेशन मेनी वेज नाम दिया। वहीं, लेकेशन को डीप लेयर नाम दिया गया। आईडीएफ ने जानकारी दी कि फैक्ट्री को तबाह करने का आइडिया कई साल पुराना था। हालांकि, इजरायल हमास युद्ध के दौरान इस डिप लेयर को तबाह करने की प्लानिंग बनने लगी। स्ट्राइक से दो महीने पहले यूनिट 669 के सैनिकों को डिप लेयर को तबाह करने की ट्रेनिंग देने जाने लगी। ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए 8 सितंबर का दिन चुना गया। शाम को शालडाग यूनिट के 100 कमांडो और यूनिट 699 के 20 सैनिक मिशन के लिए रवाना हुए।

# बांग्लादेश क्यों बदल रहा इतिहास, शेख हसीना परिवार से दुश्मनी या कोई और वजह; यूनुस ऐसे मिटा रहे मुजीब की निशानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में अब इतिहास बदलने की तैयारी की जा रही है। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने बच्चों के शैक्षणिक पाठ्यक्रम में बड़ा बदलाव करने की घोषणा कर दी है। सरकार अब 1971 में अपनी आजादी का श्रेय शेख मुजीबुर रहमान की जगह जियाउर रहमान को देने जा रही है।

बांग्लादेश में मुजीब को बंगबंधु के नाम से जाना जाता है। उन्हें राष्ट्रपिता भी कहा जाता था, लेकिन अब इस उपाधि को हटा लिया गया है। यूनुस सरकार लगातार कई कदमों से मुजीबुर रहमान का इतिहास मिटाने पर लगे हैं।

पाठ्यपुस्तकों में अब अलग ही संदेश लिखा होगा- यूनुस सरकार के आदेशानुसार, नई पाठ्यपुस्तकों में अब अलग ही संदेश लिखा होगा। डेली स्टार से बात करते हुए राष्ट्रीय पाठ्यपुस्तक बोर्ड के अध्यक्ष प्रोफेसर एकेएम रेजुल हसन ने कहा कि अब ये लिखा जाएगा कि 26 मार्च 1971 को जियाउर रहमान ने बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की थी। हालांकि 27 मार्च को उन्होंने बंगबंधु की ओर से स्वतंत्रता की एक और घोषणा की।

कौन है जियाउर रहमान- जियाउर रहमान का जन्म 19 जनवरी 1936 को बंगाल के बागबारी में हुआ था। जिया 1977 से 1981 तक बांग्लादेश के राष्ट्रपति भी रहे। जियाउर रहमान को बांग्लादेश में जिया नाम से भी जाना जाता था। उनके पिता मंसूर रहमान एक रसायनज्ञ थे। जिया का बचपन कोलकाता और बोगरा में बीता।

जियाउर रहमान ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की स्थापना भी की और वर्तमान बीएनपी नेता खालिदा जिया से शादी की।

## कैसे मिलती है ऑस्ट्रेलिया की नागरिकता, क्या स्थायी निवासी बनना है जरूरी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। जो लोग ऑस्ट्रेलिया में बसना चाहते हैं, उनके लिए इसके कई तरीके हैं। स्थायी निवासी बनने के तीन सामान्य तरीके हैं - फैमिली-स्ट्रीम स्थायी वीजा या वर्क-स्ट्रीम स्थायी वीजा या इन्वेस्टर-स्ट्रीम स्थायी वीजा प्राप्त करना।

एक ऑस्ट्रेलियाई स्थायी निवासी (स्थायी निवासी) एक गैर-नागरिक होता है जिसके पास ऑस्ट्रेलियाई स्थायी वीजा होता है, या वह आमतौर पर ऑस्ट्रेलिया में रहता है और उसके पास स्थायी वीजा होता है।

आम तौर पर, स्थायी निवासी ऑस्ट्रेलिया में अस्थायी वीजा धारकों की तुलना में बहुत कम प्रतिबंधों के साथ रह सकते हैं, काम कर सकते हैं और अध्ययन कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई नागरिक बनने के लिए, आपको स्थायी निवासी होना चाहिए और आवेदन करने से पहले कुछ मानदंडों को पूरा करना होगा।

यहाँ, हम स्थायी निवासी बनने के तरीकों पर चर्चा करेंगे जिससे किसी व्यक्ति को ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता मिल सके।

फैमिली-स्ट्रीम स्थायी निवास वीजा- ये ऑस्ट्रेलियाई नागरिक, ऑस्ट्रेलिया के स्थायी निवासी या पात्र न्यूज़ीलैंड नागरिकों के पार्टनर, बच्चों, माता-पिता या आश्रित रिश्तेदारों के लिए हैं।

## दक्षिण कोरिया में 8 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, 30 लोगों को बचाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया में एक आठ मंजिला व्यावसायिक इमारत में भीषण आग लग गई। धुएं की चपेट में आने वाले 12 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। करीब 30 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है। अग्निशमन विभाग के मुताबिक आग इमारत के भूतल पर स्थित एक रेस्तरां से भड़की। ग्योंगगी प्रांतीय अग्निशमन विभाग के मुताबिक 100 से अधिक अग्निशमन कर्मियों ने 40 दमकल के वाहनों की मदद से आग पर काबू पाया।

एक फुटेज में इमारत के निचले हिस्से से धुआं और लपटें उठती दिख रही हैं। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि इमारत में कितने लोग फंसे हैं। अग्निशमन विभाग का कहना है कि धुएं की वजह से कुछ लोगों की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

# पीएम मोदी ने जो बाइडन की पत्नी जिल को दिया था नायाब तोहफा, कीमत जानकर रह जाएंगे हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2023 में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की पत्नी और अमेरिकी की पहली महिला जिल बाइडन को 20 हजार अमेरिकी डॉलर (17,11,482) का हीरा भेंट दिया था। विदेश मंत्रालय की ओर से हाल ही में जानकारी दी गई।

बेहद नायाब है यह हीरा - जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी ने जो हीरा जिल बाइडन को गिफ्ट किया था वो प्रयोगशाला (लैब) में बनाया गया 7.5 कैरेट का हरा हीरा है। यह हीरा धरती से निकाले गए हीरे के रासायनिक और प्रकाशीय गुणों को दर्शाता है। यह पर्यावरण के अनुकूल भी है, क्योंकि इसे बनाने में सौर और पवन ऊर्जा जैसे पर्यावरण-विविध संसाधनों का उपयोग किया गया है।

व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग में रखा गया हीरा- मंत्रालय के दस्तावेज के मुताबिक, पीएम मोदी के ओर से भेंट किया गया यह हीरा व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग में रखा गया है। समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2024 में जिल बाइडन को विदेशी नेताओं से मिले तोहफों में सबसे महंगा था।

साल 2023 में अमेरिका में यूक्रेनी एंबेसडर ने जो बाइडेन और उनके परिवार को 14,063 अमेरिकी डॉलर का एक ब्रोच और कंगन तोहफे में दिया था। वहीं मिस्त्र के राष्ट्रपति और फर्स्ट लेडी ने 4,510 अमेरिकी डॉलर के ब्रोच और फोटोग्राफ अल्बम तोहफे में दिया था।

# ईरान के इरादों पर फिरा पानी, सीरिया में बनवा रहा था मिसाइलें; इजरायल ने बमबारी में कर दिया धुआं-धुआं

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली सेना ने सीरिया के अंदर ईरान के इरादों पर पानी फेर दिया। सीरिया के सैन्य ठिकानों पर ईरान एक फैक्ट्री में मिसाइल बनवा रहा था, तभी इजरायली सेना ने उसे नष्ट कर दिया। इजरायल की सेना ने पहली बार कबूल किया कि पिछले साल सितंबर में उसके करीब 100 सैनिकों ने भूमिगत मिसाइल फैक्ट्री को नष्ट किया था।

एलिट शालदाग यूनिट के कमांडो ने 8 सितंबर को सीरियाई शहर मस्याफ में वैज्ञानिक अध्ययन और अनुसंधान केंद्र पर छापा मारा था। इस जगह पर हथियारों का उत्पादन हो रहा था, जिसे सेना ने नष्ट कर दिया।

हिजबुल्लाह के लिए इन मिसाइलों का हुआ उत्पादन - इजरायली सेना ने कहा कि इस फैक्ट्री ने 250-300 किलोमीटर की रेंज वाली M600F मिसाइलें, 130 किलोमीटर की रेंज वाली सटीक M302 मिसाइलें, 70 किलोमीटर की रेंज वाली M220 मिसाइलें और 40 किलोमीटर की रेंज वाले ट्रक से लॉन्च किए जाने वाले M122 रॉकेट बनाए। इन मिसाइलों का इस्तेमाल हिजबुल्लाह द्वारा किया जाना था।

रासायनिक हथियारों का भी हो रहा था उत्पादन - बता दें कि इन सैन्य ठिकानों पर जैविक और रासायनिक हथियारों का भी उत्पादन होने की बात सामने आई थी।

# भारत घर में घुसकर मार रहा..., RAW से पाकिस्तान की हालत टाइट; लगाने लगा अजीबो-गरीब आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान हमेशा की तरह भारत से खौफ खाए बैठा है। इस बार उसने खुद इस बात को माना है। दरअसल, पाक विदेश मंत्रालय ने उनके देश में भारत के आतंकवादियों के खिलाफ अभियान पर चिंता जताई है। पाक ने कहा कि भारत अपनी सीमा से बाहर आतंकियों के सफाए के लिए अभियान चला रहा है।

पाक ने ये आरोप अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के बाद लगाए। रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि भारत ने पाकिस्तान के भीतर ऐसे व्यक्तियों की हत्या का आदेश दिया है, जिन्हें वह अपने राष्ट्रीय हितों के लिए खतरा मानता है। वाशिंगटन पोस्ट ने हाल ही में बताया कि भारत की खुफिया एजेंसी, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग 2021 से पाकिस्तान में आतंकियों को निपटा रही है।

कई आतंकियों को निपटाने की बात- बता दें कि इसी तरह के दावे पहले द गार्जियन ने भी किए थे, जिसमें कहा गया था कि भारत सरकार ने विदेश में रहने वाले कथित आतंकवादियों को खत्म करने की व्यापक रणनीति के तहत पाकिस्तान में कम से कम 20 व्यक्तियों की हत्या का आदेश दिया था।

क्या बोलीं मुमताज जहरा- इस्लामाबाद में अपने साप्ताहिक समाचार ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने इन कार्रवाइयों की निंदा करते हुए कहा कि भारत का आतंकियों के खिलाफ अभियान पाकिस्तान से बाहर भी फैल गया है। उन्होंने कहा कि ये कार्रवाई केवल पाक ही नहीं, वैश्विक स्तर पर कई देशों में चिंताएं पैदा की हैं।

# महाकुंभ मेले में कैसा है मौसम, कब होगी बारिश और कब पड़ेगी कडाके की ठंड? हर 15 मिनट में मिलेगा अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने एक विशेष वेबपेज लॉन्च किया है। इस पेज पर लोगों को प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ से जुड़े मौसम की हर अपडेट मिलेगी। शुक्रवार को भारत मौसम विज्ञान विभाग के निदेशक मनीष रानालकर ने यह जानकारी दी।

12 सालों में एक बार आयोजित होने वाला महाकुंभ 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगा। मुख्य स्नान 14 जनवरी को मकर संक्रांति, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या और 3 फरवरी को बसंत पंचमी के दिन होगा।

हर 15 मिनट में मिलेगी मौसम की जानकारी- मनीष ने कहा कि आने वाले महाकुंभ मेले के लिए आईएमडी ने शुक्रवार को एक विशेष वेबपेज लॉन्च किया है। यहां हर 15 मिनट में मौसम की जानकारी मिलेगी। मौसम का पूर्वानुमान भी दिन में दो बार वेबपेज पर जारी किया जाएगा।

महाकुंभ जिले में दो डिजिटल डिस्प्ले भी लगे- रानालकर ने कहा कि महाकुंभ को अस्थायी जिले के रूप में स्थापित किया गया है। मनीष रानालकर ने कहा कि महाकुंभ को एक अस्थायी जिला बनाया गया है।आईएमडी ने जिले में तीन नए एडब्ल्यूएस स्थापित किए हैं। महाकुंभ जिले से मौसम का अपडेट हर 15 मिनट में वेबपेज पर उपलब्ध होगा। जिले में दो डिजिटल डिस्प्ले भी लगाए गए हैं।

## आखिर क्यों खतरनाक गोला-बारूद खरीदने जा रही सरकार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना की मौजूदा वायु रक्षा क्षमता को मजबूत करने के लिए सरकार ने भारतीय कंपनियों से 23 मिमी एंटी-ड्रोन गोला-बारूद के उत्पादन के लिए जानकारी (आरएफआई) मांगी है। यह गोला-बारूद ड्रोन नष्ट करने के लिए मौजूदा जू 23 मिमी और शिल्का वेपन सिस्टम में इस्तेमाल किए जाएंगे और दुश्मन ड्रोन के पास पहुंचते ही फट जाएंगे, जिससे इनकी निशाने को नष्ट करने की संभावना बढ़ जाएगी।

पहली जनवरी को जारी आरएफआई का मकसद मेक इन इंडिया के तहत सार्वजनिक क्षेत्र या निजी निर्माण इकाइयों की पहचान और चयन करना है। आरएफआई के अनुसार हाल की लड़ाइयों से पता चला है कि दुश्मन की वायु रक्षा को कमजोर करने और जमीन पर तैनात सेना के वायु रक्षा प्लेटफार्म पर सटीक निशाना लगाने में हमला करने वाले ड्रोन और खुद फट जाने वाले ड्रोन का काम असरदार रहा है। सीओटीएस किस्म के ड्रोन आकार में छोटे, बचने की ज्यादा क्षमता, कम कीमत के साथ कम राडार क्रास सेक्शन वाले होते हैं और मौजूदा प्रणाली के गोला-बारूद से इन्हें गिराना चुनौती भरा है।

## चीन में नए वायरस का प्रकोप! केंद्र सरकार हुई सतर्क; इन्फ्लूएंजा मामलों की निगरानी शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी देश चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के फैलने की खबरों के बीच भारत सरकार भी अलर्ट हो गई है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र ने श्वसन और मौसमी इन्फ्लूएंजा के मामलों पर नजर रखना शुरू कर दिया है। विभाग अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में भी है। सूत्रों के मुताबिक केंद्र ने कहा है कि हम स्थिति पर बारीकी से नजर रखेंगे। जानकारी की जांच करेंगे और इसके आधार पर अपडेट करेंगे।

निगरानी और रोकथाम की जरूरत- डॉ. डैंग्स लैब के सीईओ डॉ. अर्जुन डैंग ने बताया कि चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के प्रकोप के बाद इस वायरस के प्रसार को रोकने और निगरानी बढ़ाने की शीघ्र जरूरत है। अधिक घनत्व वाली आबादी में यह वायरस अधिक घातक हो सकता है।

उन्होंने कहा कि डॉ. डैंग्स लैब में हमने फ्लू सीजन के दौरान एचएमपीवी को छोटे बच्चों, वृद्धों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों में नियमित रिपोर्ट किया। मगर चीन में इसका फैलना वायरस के निगरानी और शुरुआती जांच की जरूरत को उजागर करता है।

ऐसे होते हैं एचएमपीवी के लक्षण- डॉ. डांग के मुताबिक एचएमपीवी के लक्षण अन्य श्वास संबंधी वायरसों जैसे होते हैं। अगर इसके प्रसार पर तुरंत काबू नहीं पाया गया तो यह स्वास्थ्य सेवा पर अधिक दबाव डाल सकता है।

## राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ मुख्यालय का किया दौरा

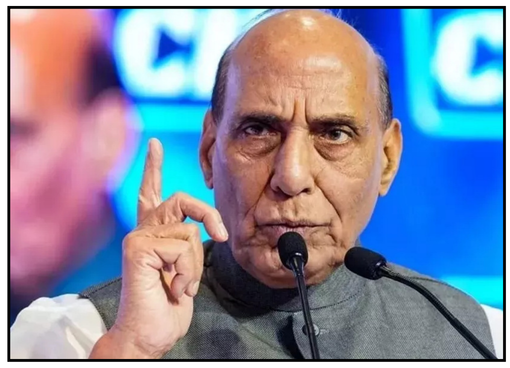

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना को तकनीकी रूप से उन्नत बल में बदलने के उद्देश्य से सरकार द्वारा 2025 को रक्षा सुधारों का वर्ष घोषित करने के एक दिन बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि डीआरडीओ निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सेना के तीनों अंगों के बीच तालमेल बढ़ाने को लेकर कही ये बात- राजनाथ ने डीआरडीओ मुख्यालय का दौरा किया और इसके 67वें स्थापना दिवस के मौके पर वरिष्ठ विज्ञानियों और विभिन्न अधिकारियों के साथ बातचीत की। सरकार ने बुधवार को 2025 को रक्षा सुधारों का वर्ष घोषित किया था और कहा था कि इसका उद्देश्य सेना के तीनों अंगों के बीच तालमेल बढ़ाने के लिए एकीकृत थिएटर कमान शुरू करना तथा सेना को तकनीकी रूप से उन्नत और युद्ध के लिए तैयार बल में बदलना है।

रक्षा मंत्रालय ने जिन सुधारों की योजना बनाई है उनका व्यापक उद्देश्य रक्षा खरीद प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध बनाना, प्रमुख हितधारकों के बीच गहन सहयोग सुनिश्चित करना, बाधाओं को दूर करना, अक्षमताओं को समाप्त करना और संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग करना है।

रक्षा विज्ञानियों से किया यह आग्रह- रक्षा मंत्री ने गुरुवार को डीआरडीओ से तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी इकोसिस्टम के साथ तालमेल बैठाते हुए आगे बढ़ने और बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप रक्षा उपकरण तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने रक्षा विज्ञानियों से आग्रह किया कि वे तकनीकी रूप से उन्नत देशों द्वारा अपनाए जा रहे उत्पादों और प्रक्रियाओं पर नजर रखें तथा विशिष्ट प्रौद्योगिकियों का विकास करें।

आगे कहा कि डीआरडीओ की प्रत्येक प्रयोगशाला को दो-तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की पहचान करनी चाहिए और उन्हें 2025 तक पूरा करना चाहिए। अगले स्थापना वर्ष तक हमारे पास ऐसी 100 परियोजनाएं होनी चाहिए जो पूरी की जा चुकी हों।

## कोयंबटूर में ओवरब्रिज से नीचे गिरा एलपीजी टैंकर, गैस रिसाव से हड़कंप; स्कूलों को कराया गया बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के कोच्चि से कोयंबटूर जा रहा एलपीजी टैंकर ट्रक अविनाशी रोड फ्लाईओवर पर पलट गया। शुक्रवार (3 जनवरी 2025) की सुबह टैंकर पलट गया, जिससे गैस का रिसाव होने लगा। ऐहतियातन इलाके के स्कूलों को बंद करा दिया गया है। भारत कंपनी का टैंकर कोयंबटूर के उप्पिलीपलायम फ्लाईओवर के पास पलट गया। अभी तक कोई हताहत या नुकसान नहीं हुआ है।

अग्निशमन विभाग और सिटी पुलिस मौके पर मौजूद हैं।

इस बीच, पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए फ्लाईओवर पर यातायात रोक दिया है। साथ ही यातायात को वैकल्पिक मार्ग से डायवर्ट कर दिया गया है। उम्मीद की जा रही है कि इस काम को पूरा होने में और भी समय लगेगा। कोयंबटूर के जिला कलेक्टर क्रांति कुमार पाडी ने कहा, घटना आधी रात के बाद करीब 3 बजे हुई। 18 मीट्रिक टन एलपीजी ले जा रहा एलपीजी टैंकर यहां पलट गया। रिसाव को रोक दिया गया है और हम वाहन के आने और कपलिंग प्लेट की मरम्मत करने का इंतजार कर रहे हैं।

इसके बाद, वाहन को फिर से सीधा किया जा सकता है... सभी यातायात को बंद कर दिया गया है और सुरक्षा मापदंड स्थापित किए गए हैं। संबंधित अधिकारी यहां मौजूद हैं और घबराने की कोई बात नहीं है। घटना के कारणों की जांच की जाएगी। कई स्कूलों को करना पड़ा बंद

इसके अलावा दुर्घटना स्थल के 500 मीटर के दायरे में सभी स्कूलों को आज के लिए बंद कर दिया गया है। जिला कलेक्टर क्रांति कुमार पाडी ने इसकी घोषणा की है।

जयपुर-अजमेर हाईवे पे हुआ था धमाका- दिसंबर 2024 में ही एक बड़े एलपीजी टैंकर हादसे ने देश को हिला कर रख दिया था। जयपुर-अजमेर हाईवे पर एक एलपीजी टैंकर में धमाका हुआ था, जिसमें 15 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

## अमेरिका के बाद भारत पर सबसे ज्यादा साइबर हमले, आने वाले समय को लेकर डरा रही रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में साइबर हमलों के मामले में अमेरिका के बाद दूसरा सबसे बड़ा निशाना भारत है। बीते वर्ष यानी 2024 में भारत की 95 इकाइयों को डाटा चोरी का सामना करना पड़ा। यह हैरान कर देने वाली जानकारी साइबर इंटेलिजेंस कंपनी क्लाउडएसइके की ताजा रिपोर्ट में सामने आई है।

अमेरिका साइबर हमलों का पहला निशाना बना

डार्क वेब की निगरानी के आंकड़ों पर आधारित कंपनी की थ्रेटलैंडस्केप रिपोर्ट 2024 में बताया गया है कि आर्थिक और डिजिटल ढांचे की मजबूती के कारण बीते वर्ष अमेरिका साइबर हमलों का पहला निशाना बना। इस दौरान इस पर 140 हमले किए गए। 95 हमलों के साथ भारत दूसरे नंबर का निशाना बना और भूराजनीतिक संघर्षों में जुटे इजरायल 57 हमलों के साथ तीसरे नंबर का लक्ष्य बना।

रिपोर्ट के अनुसार, इन हमलों में भारत के कई क्षेत्रों को निशाना बनाया गया। इनमें 20 हमलों के साथ वित्त और बैंकिंग सेक्टर सबसे बड़ा शिकार साबित हुआ। जबकि सरकारी क्षेत्र में 13, दूरसंचार में 12, हेल्थकेयर एवं फार्मा में 10 और शिक्षा क्षेत्र में नौ को शिकार बनाया गया। सबसे बड़ी डाटा चोरी की घटना में हाई-टेक ग्रुप, स्टार हेल्थ एंड अलाइड इंश्योरेंस के ग्राहकों के आंकड़ों के जरिये 85 करोड़ भारतीय नागरिकों की जानकारी चुराई गई। जबकि दूसरे नंबर पर टेलीकम्यूनिकेशंस कंसल्टेंट्स इंडिया का दो टीबी डाटा चोरी किया गया।

देश में 108 रैन्समवेयर की घटनाएं देखने को मिलीं

इस दौरान देश में 108 रैन्समवेयर की घटनाएं देखने को मिलीं। रिपोर्ट के अनुसार, लाकबिट भारत का सबसे सक्रिय रैन्समवेयर समूह था और यह 20 से ज्यादा घटनाओं का जिम्मेदार रहा। इसके बाद 15 मामलों के साथ किलसेक का नंबर आता है। रैन्समहब देश में 12 घटनाओं के लिए जिम्मेदार था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए। पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 पौष शुक्ल पंचमी

## संपादकीय

# आरबीआई की अर्द्धवार्षिक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) भी प्रकाशित हुई....

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की अर्द्धवार्षिक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) भी प्रकाशित हुई। यह रिपोर्ट देश की वर्तमान वित्तीय व्यवस्था को लेकर एक नजरिया पेश करती है और इससे आने वाले वर्ष में क्या कुछ हो सकता है, इसको लेकर व्यापक समझ भी मिलती है।

वित्तीय हालात की बात करें तो बैंकिंग तंत्र में सकल फंसा हुआ कर्ज (जीएनपीए) सितंबर 2024 में 2.6 फीसदी के साथ 12 साल के निचले स्तर पर आ गया। इसमें कम स्लिपेज, राइट ऑफ और ऋण मांग ने भी मदद की। जबकि विशुद्ध फंसा हुआ कर्ज 0.6 फीसदी रहा। हालांकि भारतीय बैंकिंग व्यवस्था की बैलेंस शीट बीते एक दशक में स्थिर ढंग से सुधरी है। अब यह इस स्थिति में है कि वह निजी निवेश और वृद्धि को मदद कर सके। एफएसआर ने यह रेखांकित किया कि बेसलाइन परिदृश्य में मार्च 2026 तक जीएनपीए में इजाफा हो सकता है और वह तीन फीसदी तक पहुंच सकता है। परंतु इस पर सावधानीपूर्वक नजर रखने की जरूरत है।

बीते साल के दौरान खुदरा ऋण पर काफी ध्यान रहा है। वर्ष 2023 के अंत में रिजर्व बैंक ने बैंकों तथा गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों यानी एनबीएफसी से कुछ तरह के ऋण पर जोखिम भार बढ़ाया है। इसके परिणामस्वरूप खुदरा बैंक ऋण और एनबीएफसी ऋण दोनों में कमी आई। बैंकों के बही खाते के खुदरा क्षेत्र में 1.2 फीसदी जीएनपीए के साथ स्थिरता बनी रही। असुरक्षित खुदरा ऋण के लिए जीएनपीए 1.7 फीसदी के साथ मामूली रूप से ऊंचा रहा और इस क्षेत्र में स्लिपेज भी नए फंसे हुए कर्ज के लिए उत्तरदायी है। उल्लेखनीय है कि छोटे फाइनैंस बैंकों के खुदरा पोर्टफोलियो में उनका जीएनपीए 2.7 फीसदी है और समस्या के बड़ा बनने के पहले उनके ऋण व्यवहार की समीक्षा होनी चाहिए। एनबीएफसी की बात करें तो उनकी कुल स्थिति अच्छी है। उनकी देनदारी में बैंक ऋण की हिस्सेदारी में इजाफा काफी कम हुआ है। इसका स्वागत किया जाना चाहिए। बहरहाल एनबीएफसी ने अपनी विदेशी उधारी बढ़ाई है। अगर मुद्रा में तेज उतार-चढ़ाव आया तो इससे जोखिम बढ़ सकता है। वर्तमान परिदृश्य में यह बिल्कुल हो सकता है।

हालांकि बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र स्थिर हैं लेकिन 2025 में अन्य स्रोतों से भी जोखिम उभर सकता है। दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद घटकर 5.4 फीसदी रह गया। हालांकि उम्मीद है कि वर्ष की दूसरी छमाही में इसमें इजाफा हो सकता है। परंतु मध्यम अवधि में टिकाऊ रूप से उच्च वृद्धि हासिल करने के लिए और प्रयासों की जरूरत होगी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति की दर के आने वाले महीनों में कम होने की उम्मीद है परंतु मौद्रिक नीति अर्थव्यवस्था को किस हद तक मदद पहुंचा सकती है यह देखना होगा।

2025 में बड़ी चुनौती वैश्विक अर्थव्यवस्था, खासकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था से उभर सकती है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने नीतिगत ब्याज दरों में कटौती के अपने अनुमान की समीक्षा की जिससे वित्तीय बाजारों में काफी अस्थिरता आई। अपेक्षाकृत ऊंची अमेरिकी ब्याज दरें अधिक पूंजी आकर्षित करेंगी जिससे डॉलर मजबूत होगा। इससे अन्य मुद्राओं, खासकर उभरते बाजारों की मुद्राओं पर दबाव बनेगा। अगर अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इस महीने के अंत में पद संभालने के बाद अपनी घोषित नीतियां जारी रखते हैं तो दबाव और बढ़ सकता है। भारतीय रुपया अपेक्षाकृत स्थिर रहा है क्योंकि रिजर्व बैंक ने आक्रामक ढंग से हस्तक्षेप किया। यह शायद लंबी अवधि में टिकाऊ नहीं रह सके। जैसा कि एफएसआर रेखांकित करता है, वैश्विक सार्वजनिक ऋण के 2024 के अंत तक 100 लाख करोड़ डॉलर का स्तर पार कर जाने और 2040 तक जीडीपी के 100 फीसदी से अधिक हो जाने की उम्मीद है।

# अयोध्या प्रसाद खत्री

अयोध्या प्रसाद खत्री हिन्दी खड़ी बोली के आरम्भिक प्रबल समर्थक थे। यह मुजफ़्फ़रपुर (बिहार) में कचहरी में पेशकार थे।

### जीवन परिचय

अयोध्या प्रसाद खत्री का जन्म 1857 ई. में सिकंदरपुर, ज़िला बलिया (उत्तर प्रदेश) में हुआ था। उत्तर प्रदेश 1857 के सिपाही विद्रोह के कारण अंग्रेज़ों के जुल्म का ज़्यादा शिकार हुआ, जिसके कारण इनके पिता श्री जगजीवन लाल खत्री अपने गाँव सिकंदरपुर से अन्य परिवारों की तरह विस्थापित होकर मुजफ़्फ़रपुर (बिहार) आकर बस गए और जीवन व्यतीत करने के लिए कल्याणी में किताबों की दुकान खोल ली। अयोध्या प्रसाद खत्री के पिता ने बचपन से ही इनको सूरदास, तुलसी के दोहे सुनाए और इनकी माता ने इनको गीता कंठस्थ करा दी।

### शिक्षा

अयोध्या प्रसाद खत्री को पढ़ाने के लिए घर पर ही मौलवी आने लगे, फिर इनका दाखिला मुजफ़्फ़रपुर के ज़िला स्कूल में कराया गया। खत्री जी जब इंट्रेस में पढ़ रहे थे तो इनके पिता का देहांत हो गया।

### कार्यक्षेत्र

खत्री जी को पिता के देहांत के बाद अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़कर दुकान संभालनी पड़ी, किंतु इस व्यवसाय में उनका मन न रमा और वे कुढ़नी माइनर स्कूल के शिक्षक हो गए। अपने स्कूल में हिन्दी की पाठ्य-पुस्तकों का अभाव देख उन्हें सबसे पहले हिन्दी व्याकरण की रचना की तथा स्कूल की नौकरी त्यागकर मुजफ़्फ़रपुर में अंग्रेज़ों को हिन्दी पढ़ाने लगे। एक अंग्रेज़ अधिकारी ने उनसे प्रभावित होकर उन्हें लिपिक के पद पर बहाल कर लिया, जहाँ वे जल्द ही अपनी प्रतिभा के बल पर कलैक्टर के पेशकार हो गए जिस पर यह जीवनपर्यंत कार्यरत रहे। इसी पद पर रहते हुए खत्री जी ने खड़ी बोली हिन्दी के लिए अपना सर्वस्व होम किया।

### खड़ी बोली का आंदोलन

भारतेन्दु युग से हिन्दी-साहित्य में आधुनिकता की शुरूआत हुई। उस दौर के रचनाकारों को आधुनिकता की शुरूआत करने का श्रेय दिया जाता है, जो वाजिब है। इसी दौर में बड़े पैमाने पर भाषा और विषय-वस्तु में बदलाव आया। खड़ी बोली हिन्दी गद्य की भाषा बनी। आचार्य रामचंद्र शुक्ल सहित सभी इतिहासकार-आलोचकों ने विषय-वस्तु के साथ-साथ भाषा के रूप में खड़ी बोली हिन्दी के चलन को आधुनिकता का नियामक माना है। गौरतलब है कि इतिहास के उस कालखंड में, जिसे हम भारतेन्दु युग के नाम से जानते हैं, खड़ी बोली हिन्दी गद्य की भाषा बन गई लेकिन पद्य की भाषा के रूप में ब्रजभाषा का बोलबाला क़ायम रहा। इतना ही नहीं, कविताओं का विषय भक्ति और रीतिकालीन रहा। इस लिहाज से, कविता मध्यकालीन भाव-बोध तक सीमित रही।

### खड़ी-बोली का पद्य

अयोध्या प्रसाद खत्री ने गद्य और पद्य की भाषा के अलगाव को ग़लत मानते हुए इसकी एकरूपता पर जोर दिया। पहली बार इन्होंने साहित्य जगत् का ध्यान इस मुद्दे की तरफ खींचा। साथ ही इसे आंदोलन का रूप दिया। इसी क्रम में खत्री जी ने %खड़ी-बोली का पद्यक्क दो खंडों में छपवाया। इन दोनों किताबों को तत्कालीन साहित्य-रसिकों के बीच निःशुल्क बंटवाया। काबिलेगौर है कि इस किताब के छपने के बाद काव्य-भाषा का सवाल एक महत्त्वपूर्ण मुद्दे के रूप में उभरा। हिन्दी-साहित्य के इतिहास में खड़ी बोली का पद्यक्क ऐसी पहली और अकेली किताब है, जिसकी वजह से इतना अधिक वाद-विवाद हुआ। इस किताब ने काव्य-भाषा के संबंध में जो विचार प्रस्तावित किया, उस पर क़रीब तीन दशकों तक बहसें होती रहीं। इस किताब के जरिए एक साहित्यिक आंदोलन की शुरूआत हुई। हिन्दी कविता की भाषा क्या हो, ब्रजभाषा अथवा खड़ीबोली हिन्दी? इसके संपादक ने खड़ीबोली हिन्दी का पक्ष लेते हुए ब्रजभाषा को खारिज किया। लिहाजा, इस आंदोलन की वजह से परिस्थितियां ऐसी बदलीं कि ब्रजभाषा जैसी साहित्यिक भाषा बोली बन गयी और खड़ी बोली जैसी बोली साहित्यिक भाषा के तौर पर स्थापित हो गई। %खड़ी बोली का पद्यक्क के पहले भाग की भूमिका में खत्री जी ने खड़ी बोली को पांच भागों में बांटा-ठेठ हिन्दी, पंडित जी की हिन्दी, मुंशी जी की हिन्दी, मौलवी साहब की हिन्दी और यूरेशियन हिन्दी। उन्होंने मुंशी-हिन्दी को आदर्श हिन्दी माना। ऐसी हिन्दी जिसमें कठिन संस्कृतनिष्ठ शब्द न हों। साथ ही अरबी-फ़ारसी के कठिन शब्द भी नहीं हों। लेकिन आमफहम शब्द चाहे किसी भाषा के हों, उससे परहेज न किया गया हो। प्रसंगवश, इसी मुंशी हिन्दी को महात्मा गांधी सहित कई लोगों ने हिन्दोस्तानी कहा है।

### शैली

ये खड़ी बोली पद्य की चार शैलियाँ मानते थे- मौलवी, मुंशी, पंडित और अध्यापक शैलियाँ। इन्होंने खड़ी बोली का पद्य (1880 ई., दो भाग) में उक्त शैलियों की कविताओं का संकलन किया था।

### मृत्यु

अयोध्या प्रसाद खत्री जी का देहांत 4 जनवरी, 1905 ई. को मुजफ़्फ़रपुर, बिहार में हुआ था।

आज खड़ी बोली और ब्रजभाषा का कोई विवाद नहीं है। ब्रजभाषा उस तरह से अब काव्य भाषा भी नहीं रही। फिर भी, ब्रजभाषा के संदर्भ में यह स्वीकार करना आवश्यक है कि ब्रजभाषा में कविता अपने शिखर तक विकसित हुई है। ठीक उसी तरह, यह भी स्वीकार करना आवश्यक है कि खड़ी बोली भी अब खड़ी बोली नहीं रही, खड़ी बोली भी अब व्यापक अर्थों में हिन्दी है। परन्तु खड़ी बोली जिस रास्ते हिन्दी बनने की दिशा में आगे बढ़ी, वह रास्ता बाबू अयोध्याप्रसाद खत्री का रास्ता है। जो हिन्दी आज गद्य और पद्य दोनों में स्वीकृत है, वह खत्री जी की मुंशी स्टाइल की हिन्दी है। इस मुंशी स्टाइल की हिन्दी के लिए बाबू अयोध्याप्रसाद खत्री ने क्या-क्या न किया, उन पर किस-किसने न हँसा, वे किसका-किसका विरोध न सहे! मुज़फ्फरपुर वाले 'पेशकार साहेब' जब बनारस खड़ी बोली में कविता के लिए साहित्य के मठाधीशों के पास जाते तो बनारस वाले 'खड़ी बोली वाला' कहकर उनका उपहास करते! खत्री जी सब के उपहासों और विरोधों का सामना करते हुए खड़ी बोली के आन्दोलन को ओढ़ते-बिछाते रहे। इस खड़ी बोली की दीवानगी ने उन्हें भिखारी बना दिया था। आज जब उनकी खड़ी बोली ही आगे बढ़ी तथा उनके विरोधी पीछे छूट गये और आज जब खड़ी बोली अखिल भारतीय भाषा हिन्दी का रूप अख़्तियार कर चुकी है, तब एक बार फिर इस बात का मूल्यांकन बेहद जरूरी जान पड़ता है कि जिस परिमाण में खत्री जी ने हिन्दी के लिए अपना सबकुछ लुटाया, क्या हम उस अनुपात में खत्री जी को कभी हिन्दी में जगह दे सकेंगे!

आमतौर पर खड़ी बोली हिन्दी का जनक भारतेंदु हरिश्चंद्र को ही समझा जाता है। निश्चित ही भारतेंदु हरिश्चन्द्र को खड़ी बोली की गद्य-भाषा का स्वरुप स्थिर करने और गद्य की विविध विधाओं को स्थापित करने का श्रेय है। इसलिए उन्हें भारतीय नवजागरण का अग्रदूत भी कहा जाता है। खड़ी बोली के विकास में कलकत्ता का फोर्ट विलियम कॉलेज, जॉन गिलक्राइस्ट, लल्लू लाल, सदल मिश्र, मुंशी सदासुखलाल, इंशाअल्ला खां, राजा शिव प्रसाद सितारे हिन्द', राजा लक्ष्मण सिंह से लेकर भारतेंदु और उनके मंडल के लेखकों, भारतेंदु मंडल से बाहर के लेखकों और फिर उनके बाद के भी लेखकों को बखूबी याद किया जाता है। परन्तु अयोध्याप्रसाद खत्री को हिन्दी में लगभग भुला ही दिया गया है।

# रिटायरमेंट के लिए कैसे करें बचत, किन योजनाओं में लगाएं पैसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिटायरमेंट के लिए आप जितनी जल्दी प्लानिंग शुरू कर देंगे, उतना ही बेहतर रहेगा। अधिकतर फाइनेंशियल एडवाइजर की सलाह है कि आपको हर हाल में 30 साल की उम्र से अपना रिटायरमेंट प्लान करना शुरू कर देना चाहिए। इससे आप बड़ा रिटायरमेंट फंड बना पाएंगे और आपकी बुढ़ापे में आर्थिक नजरिये से किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

रिटायरमेंट की प्लानिंग कैसे करें- आपको सबसे पहले तय करना होगा कि रिटायरमेंट के बाद आपकी जरूरतें क्या होंगे और आपकी लाइफस्टाइल कैसी रहेगी। साथ ही, आप कितना बड़ा रिटायरमेंट फंड चाहते हैं। फिर आपको उसी हिसाब से बचत की शुरू करनी चाहिए। इसके लिए आप म्यूचुअल फंड में एसआईपी करने से लेकर पीपीएफ और एनपीएस जैसी सरकारी योजनाओं में निवेश कर सकते हैं।

गैर-जरूरी खर्च कम करें और बचत करने पर ज्यादा ध्यान दीजिए।

अगर आपने कोई लोन ले रखा है, तो उसे भी जल्दी खत्म करने की कोशिश करें।

एकमुश्त पैसे बचाने की जरूरत नहीं है। छोटी-छोटी सेविंग से बड़ा फंड तैयार करें।

रिटायरमेंट लक्ष्य को हासिल करने के लिए निवेश को नियमित रूप से समीक्षा करत रहें।

मुद्रास्फीति को ध्यान में रखकर करें निवेश

मुद्रास्फीति का मतलब है कि चीजों के दाम सालाना आधार पर किस तरह से बढ़ रहे हैं। भारत में अभी मुद्रास्फीति 5 फीसदी के करीब है। लेकिन, यह 1974 में 28 फीसदी के पार पहुंच गई थी। इसलिए आपको उन योजनाओं में निवेश करना चाहिए, जहां अधिक रिटर्न मिलने की गुंजाइश रहे। लंबी अवधि में मुद्रास्फीति आपकी आर्थिक स्थिति को सबसे अधिक प्रभावित कर सकती है। इसलिए आपको इस पर सबसे अधिक ध्यान देना चाहिए।

रिस्क मैनेजमेंट का भी रखें ख्याल

रिटायरमेंट के लिए निवेश करते समय रिस्क मैनेजमेंट का भी ध्यान रखना चाहिए। आप अपनी पूरी बचत किसी एक ही स्कीम में निवेश न करें। उसे अलग-अलग निवेश माध्यमों में लगाएं। जैसे कि कुछ पैसे शेयर मार्केट में लगाएं और अच्छे फंडामेंटल वाले स्टॉक खरीदें।

## DRDO से मिला 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा का मेगा ऑर्डर, रॉकेट बने कंपनी के शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में बाजार में उतरी कंपनी एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई है। एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर शुक्रवार को BSE में 6 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 570 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने 52 हफ्ते का अपना नया हाई भी बनाया है। एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में यह तेजी एक मेगा ऑर्डर मिलने के बाद आई है। शापूरजी पालोनजी ग्रूप की कंपनी एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर को डिफेंस रिसर्च एंड डिवेलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन से 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा का ऑर्डर मिला है।

एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है, एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को डिफेंस रिसर्च एंड डिवेलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन, मिनिस्ट्री ऑफ डिफेंस से एक लेटर ऑफ इंटेंट मिला है। यह ऑर्डर मैरीटाइम थियेटर कमांड के आर्मेंटेशन, SAF के क्रिएशन और विशाखापत्तनम में शिप लिफ्ट फैसिलिटी के वर्कशॉप इक्विपमेंट के लिए है। यह ऑर्डर 1084.54 करोड़ रुपये का है और इसे 3 साल में पूरा किया जाना है। एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर को सितंबर तक 19000 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं। एफकॉन्स इंफ्रास्ट्रक्चर का आईपीओ 25 अक्टूबर 2024 को खुला था और यह 29 अक्टूबर तक ओपन रहा। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 463 रुपये था। कंपनी के शेयर 4 नवंबर 2024 को बीएसई में 430.05 रुपये पर लिस्ट हुए थे।

## क्या चीनी का बढ़ेगा भाव? मौजूदा मार्केटिंग सीजन में 16 फीसदी घटा प्रोडक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीनी का उत्पादन मौजूदा मार्केटिंग सीजन की पहली तिमाही में एक साल पहल के मुकाबले करीब 16 फीसदी घटा है। इससे चीनी के भाव में उछाल आने की आशंका जताई जा रही है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन ने चीनी के उत्पादन का पहला अनुमान जारी कर दिया है। चीनी का मार्केटिंग सीजन 1 अक्टूबर से शुरू होता है।

शुगर प्रोडक्शन कितना रहा- 2024-25 सीजन के पहली तिमाही में चीनी का उत्पादन 95.40 लाख टन रहा। यह आंकड़ा एक साल पहले 113.01 लाख टन था। इस साल 493 चीनी मिलों में पेराई हो रही थी, जबकि पिछले 512 चीनी मिल चालू थीं। उत्पादन के आंकड़ों एथेनॉल बनाने के लिए चीनी के इस्तेमाल को शामिल नहीं किया गया है।

चीनी उत्पादन घटने की वजह- ISMA के मुताबिक, कुछ राज्यों में एथेनॉल डायवर्जन बढ़ा है। इस वजह से चीनी उत्पादन में गिरावट आई है। एथेनॉल के लिए साल 2023-24 डायवर्जन 21.50 लाख टन रहा है जबकि 2024-25 में एथेनॉल के लिए 40 लाख टन चीनी का डायवर्जन रहा। वहीं कर्नाटक और महाराष्ट्र में पेराई देर से शुरू हुई। यह भी उत्पादन घटने की एक बड़ी वजह है।

क्या चीनी के बढ़ेंगे दाम- चीनी उद्योग के जानकारों का कहना है कि अभी कई मिलों में पेराई चल रही है। इससे उम्मीद है कि चीनी का उत्पादन बढ़ जाएगा। हालांकि, अगर उत्पादन ज्यादा कम रहा, तो उसका असर चीनी की कीमतों पर भी दिख सकता है। चीनी मंडी के मुताबिक, दिल्ली में चीनी का मौजूदा खुदरा भाव 42 रुपये किलो है।

क्या चीनी की कमी हो सकती है- ISMA के डायरेक्टर दीपक बल्लानी के मुताबिक, देश में चीनी की किल्लत होने की कोई आशंका नहीं है। उन्होंने कहा कि चीनी की कोई कमी नहीं है।

## मुकेश अंबानी देने जा रहे निवेशकों को सौगात, नए साल में ला रहे 40,000 करोड़ रुपये का विशाल आईपीओ

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी अपने निवेशकों को बड़ी खुशखबरी देने जा रहे हैं। अंबानी रिलायंस जियो को स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध करने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो ने आईपीओ लॉन्चिंग को लेकर तैयारी भी शुरू कर दी है। हिंदू बिजनेसलाइन की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कंपनी का आईपीओ 35,000 से 40,000 करोड़ रुपये का हो सकता है।

आईपीओ 35,000 से 40,000 करोड़ रुपये का हो सकता है- द हिंदू बिजनेस लाइन की रिपोर्ट के अनुसार, टेलीकॉम कंपनी का मूल्यांकन 40,000 करोड़ रुपये होने तक की संभावना है और यह विशाल आईपीओ 2025 की दूसरी छमाही में आने की उम्मीद है और इसमें मौजूदा शेयरों के साथ-साथ नए शेयरों की बिक्री के साथ-साथ चुनिंदा निवेशकों के लिए प्री-आईपीओ प्लेसमेंट भी शामिल होगा। सूत्रों का कहना है कि कंपनी की नजर 120 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर है।

श्विक निवेशकों को जियो हिस्सेदारी बेच चुकी है रिलायंस

अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए), सिल्वर लेक, मुबाडाला, केकेआर आदि सहित विदेशी निवेशकों के पास वर्तमान में रिलायंस जियो में लगभग 33 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

# सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का कितना बढ़ेगा महंगाई-भत्ता, कब होगा इसका एलान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को नए साल यानी 2025 में बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। उनके महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का एलान जल्द हो सकता है। सरकारी कर्मचारी और पेंशनभोगी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आइए जानते हैं कि डीए की गणना कैसे होती है और इसका एलान कब तक होने की संभावना है।

कैसे होती है डीए की गणना- 7वें वेतन आयोग के तहत, DA की गणना AICPI के आधार पर होती है। इस बार जुलाई से दिसंबर 2024 तक के AICPI इंडेक्स के आंकड़ों से तय होगा कि सरकार डीए में कितना इजाफा करेगी। अक्टूबर 2024 तक के जारी डेटा बताता है कि जनवरी 2025 में DA में 3 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है, क्योंकि उस वक्त AICPI 144.5 पर था। हालांकि, अभी नवंबर और दिसंबर का आंकड़ा जारी नहीं हुआ है। अगर इन दोनों महीनों में भी यह आंकड़ा 145 के आस-पास रहता है, तभी जनवरी 2025 में DA बढ़कर 56 फीसदी तक पहुंचेगा।

कर्मचारियों को कितना फायदा होगा- केंद्रीय कर्मचारियों के DA में बढ़ोतरी का फैसला मुख्य रूप से AICPI के आधार पर होता है। पिछले महीनों के डेटा से जाहिर होता है कि सरकार नए साल में ष्ठ को 53 फीसदी से बढ़ाकर 56 फीसदी कर सकती है।

महंगाई भत्ते में 3 फीसदी का भी यह इजाफा केंद्रीय कर्मचारियों के मासिक वेतन में अच्छी-खासी बढ़ोतरी कर सकता है। अगर ष्ठ में 3 फीसदी की बढ़ोतरी होती है, तो सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को मिलने वाले पैसों बड़ा बदलाव दिखेगा।

डीए में बढ़ोतरी का एलान कब होगा- |th Pay Commission के तहत DA का रिवीजन साल में दो बार किया जाता है। पहली बार जनवरी और दूसरी बार जुलाई में।

## बाजार में हाहाकार, पर इस शेयर में 20% की तूफानी तेजी, 2 महीने में दोगुना हुआ पैसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को तेज गिरावट आई है, बीएसई का सूचकांक सेंसेक्स 700 अंक से ज्यादा लुढ़क गया है। हालांकि, इस गिरावट के बीच आईटीआई लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। आईटीआई लिमिटेड के शेयर क्स्ध में 20 पर्सेंट की तेजी के साथ 457.25 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने 52 हफ्ते का अपना नया हाई भी बनाया है। आईटीआई लिमिटेड के शेयरों में शुक्रवार को 9 महीने में एक दिन का सबसे बड़ा उछाल आया है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 210.20 रुपये है।

आईटीआई लिमिटेड के शेयरों में पिछले 2 महीने में करीब 107 पर्सेंट का उछाल आया है। कंपनी के शेयरों ने दो महीने में निवेशकों का पैसा दोगुना से ज्यादा कर दिया है। आईटीआई के शेयर 4 नवंबर 2024 को 221.15 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 3 जनवरी 2025 को 457.25 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 3 महीने में आईटीआई के शेयरों में 77 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है।


दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

# पड़ोसियों ने महिला को सड़क पर घसीटा, बेटियों को भी पीटा

मुरैना। कुत्ते पर गोबर फेंकने पर दबंगों ने एक परिवार पर हमला कर दिया। सड़क पर घसीट-घसीट कर महिला को पीटा, फिर लाठी-फरसे से हमला किया। बीच बचाव करने आए महिला के बच्चों तक को बुरी तरह पीटा गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अंबाह पुलिस ने पांच आरोपितों पर केस दर्ज कर लिया है।

मामला अंबाह थाना क्षेत्र के खरेंटा गांव का है, जहां शुक्रवार की सुबह रामवरण माहौर का 12 वर्षीय बेटा घूरे पर गोबर फेंकने जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में पड़ोसी का कुत्ता उस पर भौंकने लगा। डरकर बच्चे ने तसले में भरा गोबर कुत्ते पर ही फेंक दिया। इस बात पर अनिल तोमर, राजेश तोमर व उसके स्वजन ने विवाद शुरू कर दिया।पड़ोसियों ने किया हमला

यह विवाद इतना बढ़ा कि पड़ोसियों ने लाठी-डंडे लेकर लड़के के घर पर धावा बोल दिया। बच्चे की मां अनीता को बाल पकड़ कर घर से निकाला और सड़क पर घसीटते ले गए। अनीता को बचाने उसकी बेटियां आईं तो दबंगों ने उनकी भी पिटाई कर दी, यह देख अनीता ने प्रतिरोध किया तो उस पर लाठी व फरसे से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गई।

अनीता की बेटियों को अंबाह अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जबकि गंभीर घायल अनीता को अंबाह से जिला अस्पताल में रेफर किया गया है। इसका वीडियो किसी ने मोबाइल से बना लिया और सोशल मीडिया पोस्ट कर दिया।

अंबाह टीआई सतेंद्र सिंह कुशवाह ने बताया कि घायल महिला की शिकायत पर कुम्हेर सिंह तोमर, राजेश सिंह तोमर, अनिल तोमर, गबडू तोमर और प्रदीप सिसौदिया पर एफआइआर दर्ज कर ली है।

# दो बाइक की टक्कर में 3 युवकों की मौत

छतरपुर । छतरपुर जिले के बड़ामलहरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सड़वा के पास चरखरी खैरा तिराहे पर दो बाइक आमने-सामने तेज रफ्तार में आई और टकरा गई। घटना में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

दो लोगों को इलाज के लिए बड़ामलहरा अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टर ने गंभीर हालत देखते हुए उन्हें देर रात जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। एक बाइक पर सवार पवन अहिरवार 21 साल निवासी धनगुवा, ऊदल अहिरवार उम्र 25 साल निवासी धनगुवा और राजेंद्र अहिरवार जा रहे थे। तभी सामने से आ रही बाइक से उसकी टक्कर हो गई।हादसे में पवन और ऊदल की मौत हो गई, राजेंद्र गंभीर रूप से घायल है। वहीं, दूसरी बाइक पर सवार दो युवकों में से एक की मौत हो गई है। हादसे में जितेंद्र पुत्र भगवान दास मुंडा उम्र 38 साल सहित दो लोग घायल हैं। इनका उपचार जारी है।

# सरकारी स्कूलों में इस साल करीब 15 हजार प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षकों की भर्ती होगी

भोपाल । सरकारी स्कूलों में इस साल करीब 15 हजार प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षकों की भर्ती होगी। इसके लिए कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) ने वर्ष 2025 में आयोजित होने वाली प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षक चयन परीक्षा के लिए समय-सारिणी जारी कर दिया है।

साथ ही दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। इसके तहत स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षक (विषय, खेल एवं संगीत गायन वादन) और प्राथमिक शिक्षक (खेल, संगीत गायन- वादन एवं नृत्य) और जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत माध्यमिक शिक्षक (विषय) और प्राथमिक शिक्षक (खेल, संगीत गायन-वादन एवं एवं नृत्य) चयन परीक्षा-2024 के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है।परीक्षा शुरू होने की संभावित तारीख 20 मार्च से इसके तहत संबंधित अभ्यर्थी 28 जनवरी से 11 फरवरी तक आवेदन कर सकते हैं। यह परीक्षा ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। आवेदन पत्र में संशोधन 28 जनवरी से 16 फरवरी तक होंगे। परीक्षा शुरू होने की संभावित तारीख 20 मार्च से है। इस परीक्षा के लिए नियम पुस्तिका जनवरी में ईएसबी की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी।अनारक्षित वर्ग को 500 रुपये शुल्क लगेंगे

इस परीक्षा में अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा शुल्क 500 रुपये प्रति प्रश्नपत्र और एससी, एसटी, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस और दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 250 रुपये प्रति प्रश्न पत्र रहेगा। इस परीक्षण नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान संबंधित विभाग द्वारा किया जाएगा।

### *13 शहरों में होगी परीक्षा*

यह परीक्षा प्रदेश के 13 शहरों में आयोजित होगी। इनमें भोपाल,बालाघाट, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, खंडवा, नीमच, रतलाम, रीवा, सागर, सतना, सीधी और उज्जैन है।

### *दो पालियों में होगी परीक्षा*

यह परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह नौ से 11 बजे और दूसरी पाली दोपहर तीन से शाम पांच बजे तक होगी। पहली पाली के लिए अभ्यर्थियों का रिपोर्टिंग का समय सुबह सात से आठ बजे तक रहेगा, जबकि दूसरी पाली के लिए रिपोर्टिंग टाइम दोपहर एक से दो बजे तक होगा।

# घने कोहरे के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त, शीतलहर से गिरेगा तापमान

भोपाल । गुरुवार को मध्य प्रदेश के कई जिलों में घने कोहरे ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया। खासकर भोपाल, राजगढ़ और उज्जैन में दृश्यता मात्र 50 मीटर रह गई है, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। प्रदेश के उत्तर और मध्य भाग में कोहरा सबसे ज्यादा देखा गया। मौसम विभाग के अनुसार यह कोहरा अगले कुछ दिनों तक बने रहने की संभावना है।

कोहरे का कारण और असर

मौसम विभाग ने बताया कि वातावरण में नमी के स्तर में कमी और तापमान में गिरावट के कारण कोहरे की यह स्थिति पैदा हुई है। इसके अतिरिक्त उत्तर से आ रही ठंडी हवाओं ने कोहरे को और भी घना बना दिया है। मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला के अनुसार यह स्थिति अगले कुछ दिनों तक बनी रह सकती है। प्रभावित क्षेत्र

भोपाल, राजगढ़ और उज्जैन– रतलाम में दृश्यता घटकर 50 मीटर रह गई, जिससे लोगों को वाहन चलाने में भारी परेशान हो रही है।

ग्वालियर, रतलाम और नर्मदापुरम– इन इलाकों में दृश्यता 200 मीटर रह गई है। यहां लोगों को काफी सावधानी से वाहन चलाते देखा गया।

रायसेन और इंदौर– रायसेन में दृश्यता 500 मीटर रही, जबकि इंदौर में यह एक किलोमीटर दर्ज की गई।

पूर्वी मध्य प्रदेश– खजुराहो और नौगांव में 500 मीटर दृश्यता रही और रीवा व मंडला में एक किलोमीटर की दृश्यता रही।

आगामी मौसम का अनुमान

मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला का कहना है कि यह स्थिति अगले कुछ दिनों तक बनी रह सकती है। प्रदेश के भोपाल, राजगढ़ और उज्जैन में सबसे कम दृश्यता 50 मीटर दर्ज की गई। इसके अलावा ग्वालियर, रतलाम और नर्मदापुरम में 200 मीटर, रायसेन में 500 मीटर और इंदौर में एक किलोमीटर दर्ज हुई। वहीं पूर्वी मप्र के इलाकों में खजुराहो व नौगांव में 500 मीटर, रीवा और मंडला में एक किलोमीटर दृश्यता रही।

# सौरभ शर्मा के साथी आरक्षक भी करते थे डमी पोस्टिंग, विभाग में थी धाक

ग्वालियर । मध्य प्रदेश परिवहन विभाग में आरक्षक रहे सौरभ शर्मा के साथ काम करने वाले चार साथी आरक्षक भी ट्रांसफर-पोस्टिंग के खेल में पूरी तरह सक्रिय थे। जिन-जिन चेक पोस्टों का ठेका सौरभ ने ले रखा था, ऐसी चेकपोस्टों पर प्रबंधन का काम ये साथी आरक्षक संभालते थे।

बताया जा रहा है कि सौरभ शर्मा के साथी डमी पोस्टिंग कराने में भी माहिर थे, चेक पोस्ट पर अधिकारी की तैनाती कागजों में कर दी जाती थी और मौके पर निजी व्यक्तियों से काम कराया जाता था। इस तरह वसूली के खेल को पूरे सेटअप के साथ चलाया जाता था।परिवहन विभाग के चेक पोस्टों को चलाता था

इन चारों आरक्षक- धनंजय चौबे, हेमंत जाटव, नरेंद्र सिंह भदौरिया और गौरव पाराशर की पूरे परिवहन विभाग में धाक थी, जैसा ये चाहते थे वैसा हो जाता था। सौरभ शर्मा ने परिवहन विभाग से सेवानिवृत्ति तो ले ली थी, लेकिन इन्हीं चारों लोगों की दम पर वह परिवहन विभाग के चेक पोस्टों को चलाता था।वॉट्सएप कॉलिंग पर करते थे बात सौरभ शर्मा और यह चारों आरक्षकों से हमेशा आपस में वॉट्सएप कॉलिंग पर बातें करते थे। इन्होंने बातें करने के लिए पर्सनल नंबर ले रखे थे। तीन-चार वर्षों में इन चारों आरक्षकों की पद स्थापना अलग-अलग चेकपोस्टों पर रही और सौरभ से पूरा गठजोड़ था।

सौरभ विभाग से भले ही पिछले एक साल से दूर हो गया था, लेकिन वह विभाग में इन्हीं के जरिए अपने काम कराया करता था। वे चारों परिवहन विभाग में उसका प्रतिनिधित्व करते थे।

# राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग महादेव के दर्शन कर जलाभिषेक किया

## ओंकारेश्वर ट्रेंचिंग ग्राउंड में वेस्ट मटेरियल से बनाई जा रही सामग्री का किया निरीक्षण

इंदौर। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने गुरुवार को ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग महादेव के दर्शन कर जलाभिषेक किया। उन्होंने ममलेश्वर मन्दिर के भी दर्शन किए। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने बाबा ओंकारेश्वर से प्रदेश की सुख-समृद्धि, विकास और कल्याण की प्रार्थना की। उन्होंने माँ नर्मदा के विहंगम दृश्य का अवलोकन कर माँ नर्मदा को प्रणाम किया। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी को ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग ट्रस्ट की ओर से नगर परिषद ओंकारेश्वर के उपाध्यक्ष अखिलेश दीक्षित ने बाबा ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग की प्रतिकृति भेंट की। उन्होंने ओंकार पर्वत पर स्थापित आदि शंकराचार्य की मूर्ति का अवलोकन भी किया।

राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने ओंकारेश्वर में ट्रेंचिंग ग्राउंड का निरीक्षण किया। उन्होंने वेस्ट मटेरियल से बनाए जा रहे सोफा, डाइनिंग टेबल, कुर्सी आदि सामग्री का अवलोकन किया और प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि किस तरह वेस्ट मटेरियल को अलग-अलग विभाजित करके इसका उपयोग करके बेस्ट मटेरियल बनाया जा रहा है, यह एक अच्छी पहल है। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने ओंकारेश्वर में ब्लेक स्पॉट के सौंदर्यकरण का भी निरीक्षण किया। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि स्वच्छता के कार्यों को जन जागरूकता के माध्यम से करना चाहिए। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से अपील की कि ओंकारेश्वर नगर को स्वच्छ व सुंदर रखे, क्योंकि यहां जो पर्यटक आते हैं वह अच्छी स्मृतियां लेकर जाएं। इस दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी ओंकारेश्वर श्री संजय गीते सहित विभिन्न जन-प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

# मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष-2025 के शासकीय कैलेंडर का विमोचन किया

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर वर्ष 2025 के शासकीय कैलेंडर का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शासकीय कैलेंडर में संयोजित की गई विषय-वस्तु और इसके आकल्पन की प्रशंसा की। कैलेंडर विमोचन के अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर सचिव एवं नियंत्रक शासकीय केन्द्रीय मुद्रणालय श्री चंद्रशेखर वालिंबे सहित केन्द्रीय मुद्रणालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

# अपराधिक गतिविधियों संलिप्त 6 आरोपियों को किया गया जिलाबदर

इंदौर। इंदौर जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने अपराधिक गतिविधियों संलिप्त 6 आरोपियों को जिलाबदर किया है। इस संबंध में जारी आदेशानुसार जिन अपराधियों को जिलाबदर किया गया है उनमें बेटमा थाना क्षेत्र के मिथुन पिता अनार सिंह परमार निवासी खानपुर, सांवेर थाना क्षेत्र के शाकिर उर्फ जगीरा पिता अकरम खान निवासी वार्ड नं. 01 साई बेट्री के पास कुडाना रोड सांवेर, महू थाना क्षेत्र के संजू उर्फ संजय उर्फ तात्या पिता मन्नूलाल उर्फ मुन्नालाल बौरासी निवासी माइक्रो लाईन रेल्वे कालोनी पासीपुरा महू तथा खुडैल थाना क्षेत्र के धृष्टराज उर्फ डमरू पिता ब्रहमानन्द मालवीय निवासी ग्राम असरावद बुजुर्ग शामिल है। इन्हें छ-छ माह के लिये जिलाबदर किया गया है। उक्त सभी अपराधियों के विरूद्ध विभिन्न थाना क्षेत्रों में अनेक प्रकरण दर्ज है।

# कुष्ठ रोगी खोज अभियान में पाये गये 226 नए रोगी- किया जा रहा है निशुल्क उपचार

इंदौर। कुष्ठ रोग के प्रति समाज में जागरुकता लाकर रोग के प्रति अंध विश्वास में कमी लाना म.प्र. शासन का एक प्रमुख लक्ष्य है। इसी उद्देश्य से भारत सरकार से प्राप्त दिशा निर्देश के अनुसार राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत गत माह कुष्ठ रोगी खोज अभियान का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख उद्देश्य विकृति ग्रेड-2 सूचकांक (कुष्ठ रोग से ग्रसित होने पर हाथ-पैर गलना एवं सुन्नपन की स्थिति) को रोकने के लिए जिले में घर-घर कुष्ठ रोगी की खोज, सघन स्क्रीनिंग कर खोजे गए नए कुष्ठ रोगियों को उपचार प्रदान करना प्रमुख है।

अभियान के तहत इंदौर जिले में 17 लाख 45 हजार 991 जनसंख्या चयनित की गई थी, जिसके अंतर्गत 17 लाख 11 हजार 935 स्क्रीनिंग की गई। जिसमें 3 लाख 25 हजार 680 घरों का सर्वे 1 हजार 379 दलों ने किया। जिसमें आशा एवं स्वयं सेवक सम्मिलित थे। इसमें 2422 व्यक्तियों में कुष्ठ रोग की शंका पाई गई और इसमें से 226 व्यक्तियों की कुष्ठ रोगी के रुप में पुष्टि हुई।

# जनता की शंकाओं को दूर कर सावधानी पूर्वक किया जायेगा कचरे का विनिष्टीकरणः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यूनियन कार्बाइड के कचरे के विनिष्टीकरण के लिये सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार कार्रवाई की जा रही है। कचरे का निष्पादन जनता की शंकाओं को दूर कर सावधानी पूर्वक किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जनता के सरोकार प्राथमिकता में सबसे ऊपर है, कचरे के विनिष्टीकरण की कार्रवाई सतत् निगरानी में की जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हादसे के 40 वर्ष बीतने के बाद भोपाल में रखा लगभग 337 मीट्रिक टन कचरे का हानिकारक प्रभाव खत्म हो गया है। उन्होंने बताया कि बचे हुए शेष कचरे में 60 प्रतिशत से अधिक केवल स्थानीय मिट्टी, 40 प्रतिशत में 7-नेपथॉल, रिएक्टर रेसिड्यूज और सेमी प्रोसेस्ड पेस्टीसाइड्स का अपशिष्ट है। इसमें मौजूद 7-नेपथॉल रेसीड्यूस मूलतः मिथाइल आइसो साइनेट एवं कीटनाशकों के बनने की प्रक्रिया का सह-उत्पाद होता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इसका विषैला प्रभाव 25 साल में लगभग समाप्त हो जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास में मीडिया से चर्चा में ये बातें कहीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि कचरे के निपटान की प्रक्रिया का केन्द्र सरकार की विभिन्न संस्थाओं जैसे- नीरी (नेशनल इन्वॉयरमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट), नागपुर, NGRI (नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट) हैदराबाद, IICT (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमीकल टेक्नोलॉजी) तथा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा समय-समय पर गहन परीक्षण किया गया है। उनके अध्ययन तथा सर्वोच्च न्यायालय को प्रस्तुत प्रतिवेदनों के आधार पर भारत सरकार के पर्यावरण मंत्रालय को मार्च, 2013 में दिये गये निर्देशानुसार केरल कोच्चि स्थित हिंदुस्तान इनसेक्टीसाइड लिमिटेड के 10 टन यूनियन कार्बाइड के समान कचरे का परिवहन कर पीथमपुर स्थित इन्सिनेरेटर में ट्रायल रन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की निगरानी में किया गया। सफल ट्रायल रन का प्रतिवेदन सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि ट्रायल रन के निष्कर्षों के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय ने अप्रैल, 2014 में यूसीआईएल के 10 मीट्रिक टन कचरे का एक और ट्रायल रन भारत सरकार, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली की निगरानी में टीएसडीएफ पीथमपुर मे किये जाने के निर्देश दिये। सर्वोच्च न्यायालन ने इस ट्रायल रन की वीडियोग्राफी भी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये थे। निर्देशानुसार अगस्त, 2015 में ट्रायल रन के बाद केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रायोगिक निपटान की समस्त रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत की गई। रिपोर्ट्स में यह स्पष्ट हुआ कि इस प्रकार के कचरे के निपटान से वातावरण को कोई नुकसान नही हुआ है। उच्चतम न्यायालय ने सभी रिपोर्ट के गहन परीक्षण के पश्चात ही यूसीआईएल के कचरे के निपटान की कार्यवाही को आगे बढ़ाने एवं उन्हें नष्ट करने का निर्देश जारी किया।

मुख्य सचिव ने 3 बिन्दुओं पर कराई जांच- कचरे के विनिष्टीकरण की कार्रवाई के संबंध में समय-समय पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये जा रहे निर्देशों के अतिरिक्त मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव ने विस्तृत रूप से तीन बिंदुओं को आधार बनाकर पृथक से जांच कराई।

# नेताजी सुभाष की 129 वीं जयंती पर

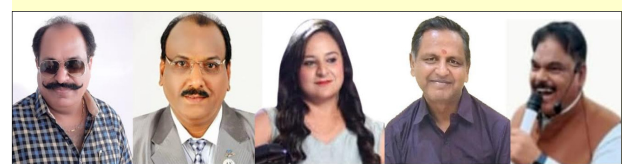

जीतू बगानी सलीम शेख सपना शर्मा सतीष अग्रवाल रमेश मौर्य

इंदौर। तुम मुझे खून दो, मैं तम्हे आजादी दूंगा का नारा बुलंद करने वाले स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानी नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 129 वीं जयंती 23 जनवरी को नेताजी सुभाष मंच, इन्दौर (म.प्र.) एवं श्री गीता रामेश्वरम् ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में रीगल तीराहा स्थित एसपी ऑफिस परिसर में इंडियन कॉफी हाऊस में प्रातः 10 बजे मनाई जाएगी।

मंच के प्रदेश अध्यक्ष मदन परमालिया एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 23 जनवरी नेताजी सुभाषचंद्र बोस की 129 वीं जयंती पर नेताजी सुभाष अलंकरण से 5 विभुतियों को सम्मानित किया जाएगा।

# यूनियन कार्बाइड कचरा निष्पादन के संबंध में बैठक सम्पन्न

इंदौर। यूनियन कार्बाइड के कचरे के निष्पादन के संबंध में चर्चा के लिये आज एआईसीटीएसएल कार्यालय के सभा कक्ष में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायकगण श्रीमती नीना वर्मा, श्री मधु वर्मा सहित राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जनप्रतिधि, पर्यावरणविद, प्रबुद्ध नागरिक तथा मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने बैठक में अवगत कराया गया कि आम जन मानस के मन में जो भ्रांतियां हैं उन सभी बिन्दुओं पर आज चर्चा की गयी।

बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधि,विशेषज्ञ तथा प्रबुद्ध नागरिक जो उनके मन में भ्रांतियां थी, उससे संबंधित प्रश्न उठाये गये। सभी प्रश्नों को दृष्टिगत रखते हुये राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा तथा पर्यावरण विशेषज्ञ द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदनों से संबंधित स्थिति से उपस्थित जनसामान्य को अवगत कराया गया। बैठक में बताया गया कि यूनियन कार्बाइड का कचरा भोपाल से पीथमपुर तक केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की गाईडलाइन के अनुरूप पैकिंग, लोडिंग तथा परिवहन कंटेनरों में लीक प्रूफ एवं फायर प्रूफ कंटेनरों में वैज्ञानिक पद्धति से लाया गया।

बैठक में प्रश्न उठाये गये कि इस कचरे को जलाना ही क्यों आवश्यक है, क्या भष्मीकरण के दौरान इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जायेगी, कचरा का भश्मीकरण शीतकाल में ही क्यों किया जा रहा है, 2013 और 2015 में जब ट्रायलरन किया गया था तब क्या हानिकारक मेटल तथा डायक्सीन व फ्यूरॉन गैसों की मॉनिटरिंग की गयी थी तथा क्या टीएसडीएफ पीथमपुर इस तरह के कचरे को जलाने के लिये उपयुक्त है।

बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं विशेषज्ञों द्वारा बताया गया कि माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार इस कचरे का निष्पादन पीथमपुर टी.एस.डी.एफ. में किया जा रहा है। यह भी बताया गया कि केन्द्र की एपेक्स संस्थान जैसे नीरी नागपुर, एनजीआरआई हैदराबाद, आईआईसीटी हैदराबाद तथा केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनुशंसाओं के अनुसार इसके भष्मीकरण का निर्णय माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा लिया गया। इस भष्मीकरण के दौरान भशमक से निकलने वाली गैसों की लगातार मॉनिटरिंग की जायेगी। इसके परिणाम जनसामान्य को सतत रूप से उपलब्ध कराये जायेंगे। जहां तक इस कचरे के शीतकाल में जलाने का प्रश्न है, उसके संदर्भ में बताया गया कि ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि शीतकाल में कचरे के जलाने से प्रदूषण का प्रभाव ज्यादा होगा। बैठक के दौरान यह भी अवगत कराया गया कि वर्ष 2013 और 2015 में जो ट्रायल रन किये गये थे, उसमें निकलने वाली गैसों में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा विधिवत सभी अनशोधित मेटल्स तथा डायोक्सीन तथा फ्यूरान की मॉनिटरिंग की गयी थी जो निर्धारित मानक सीमा में पायी गयी थी। बैठक में उपस्थित जनसामान्य को यह भी अवगत कराया गया कि पीथमपुर में स्थापित टीएसडीएफ इस प्रकार के अपशिष्टों अपवहन हेतु एक सक्षम संस्था है, जिस कारण यूनियन कार्बाइड के कचरे का अपवहन का निर्णय समस्त तकनीकी पहलूओं को जांच कर माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिया गया है तथा यह अपवहन केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दिशा निर्देशों के अनुरूप किया जायेगा।

बैठक के अंत में मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के मंशा के अनुसार इस कचरे का निष्पादन वैज्ञानिक पद्धति एवं माननीय न्यायालय के निर्देशों के तहत आमजन की शंकाओं और भ्रांतियों को दूर करते हुये किया जायेगा और सभी क्षेत्रीय जनमानस के हितों का ध्यान रखा जायेगा।

बैठक के अंत में मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में जनहित की सरकार है और जनता का हित सर्वोपरि है। कचरा विनिष्टीकरण की सम्पूर्ण कार्रवाई में जनता को कष्ट नहीं हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

अवन्तिकायाम विहित्वारम मुक्ति प्रदायनाय च सजनाम,
अकाल मृत्यु परिरक्शनाय, वन्दे महाकाल महा सुरेश्वरम
भूतभावन भगवान श्री महाकाल महाराज सभी को आरोग्यता प्रदान करें

# दुनिया का सबसे बड़ा शक्तिशाली ये वर्दीधारी संगठन है एनसीसी- केन्द्रीय रक्षा राज्यमंत्री

## प्रधानमंत्री के आह्वान पर देश में बढ़ाई जा रही नेशनल कैडेट कोर में कैडेट्स की संख्या, एमपी में बढ़ेंगे 60 हजार कैडेट्स

उज्जैन। दुनिया का सबसे बड़ा शक्तिशाली ये वर्दीधारी संगठन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मोटीवेशन करोड़ों बच्चों पर जाता है। प्रधानमंत्री जी खुद एक कैडेट थे। जब प्रधानमंत्री जी की कैडेट की फोटो सोशल मीडिया में आई, देश के युवा उत्साहित हो गए, दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता वो कैडेट रहा है, तो अब होड़ लगी है। तभी प्रधानमंत्री जी का निर्देश हुआ, जब 17 लाख एनसीएसी कैडेट से बढ़कर 20 लाख कैडेट होने जा रहे हैं। ये बात उज्जैन प्रवास पर आए केन्द्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कही।

10 एमपी बटालियन के एनसीसी कैडेट्स से मिलने उज्जैन आए केन्द्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि एनसीसी कैडेट होना ही बहुत बड़ा बोध होता है कि मां भारती की सेवा। अनुशासन कूट कूट कर आता है। मंत्री ने कहा कि शुरू से एक पौध राष्ट्रप्रेम में

आ जाता है। बच्चे कैसे आगे बढ़कर अपने जीवन में भारतीय फौज का हिस्सा बने, इस बारे में उन्होंने बच्चों से बात की।

एक प्रश्न के जवाब में मंत्री सेठ ने कहा कि मैं एनसीसी कैडेट तो था, लेकिन ये मेरा दुर्भग्य है कि मैं भारतीय फौज का हिस्सा नहीं बन पाया। आज तक वो मेरे जीवन में काटता है। क्योंकि भारतीय फौज दुनिया का सबसे शक्तिशाली, सबसे आत्मनिर्भर, आप उसका हिस्सा नहीं बन पाए मतलब मां भारती की सेवा नहीं कर पाए। भारत - भरत की भूमि है, ये वंदन की भूमि है अभिनंदन की भूमि है। मंत्री संजय सेठ ने कहा कि अगला जनम जब हो तो भारत में ही हो और हमको भारत की फौज का हिस्सा बनना है, यही ईश्वर से प्रार्थना है। क्योंकि बहुत महान देश है ये और भारतीय फौज भी महान है।

इससे पहले विक्रम विश्वविद्यालय व 10 एमपी बटालियन के संयुक्त तत्वाधान में स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने मां सरस्वती का पूजन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज, मध्यप्रदेश एवं छतीसगढ़ के डिप्टी डायरेक्टेड ब्रिगेडियर रजनीश गौर, इंदौर ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर सौरभ जैन व कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कुमार की उपस्थिति में संपन्न हुआँ। यहां मंत्री संजय सेठ ने बच्चों से एनसीसी कैडेट्स से मुलाकत की और ये जाना कि वे भविष्य में क्या बनना चाहते हैं। मंत्री सेठ ने यहां विजिटर्स डायरी में अपने विचार भी लिखे।

# स्वामी विवेकानंद जयंती पर 15वां युवा संगम सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा

उज्जैन। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर स्वर्णिम भारत मंच द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम युवा संगम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 12 जनवरी 2025 को शाम 6:00 बजे घंटाघर चौराहा, उज्जैन पर होगा। स्वर्णिम भारत मंच के तत्वावधान में आयोजित इस 15वें वार्षिक कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर रविवार, 5 जनवरी 2025 को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक भोजशाला स्थित बीमा अस्पताल परिसर के अंदर गाड़ी अड्डा चौराहा, आगर रोड पर दोपहर 1:00 बजे आयोजित होगी।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित करना और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है। स्वामी विवेकानंद, जिन्हें विश्व नायक और युगदृष्टा माना जाता है, ने भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाई। उनके आदर्श और शिक्षाएं आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और प्रेरणादायक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान कला, साहित्य, संगीत और नृत्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान किया जाएगा।

**उल्लेखनीय कार्य करने वाले युवाओं का सम्मान**-कार्यक्रम की एक विशेषता 51 प्रतिभाशाली युवाओं का सम्मान है, जो अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर समाज के लिए प्रेरणा बने हैं। इन युवाओं को स्वर्गीय श्री ओ.पी. भटनागर की स्मृति में ÷श्रीमती शशि राजकुमार भटनागर सम्मान÷ प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान उनकी उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने और समाज के अन्य युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से दिया जाएगा।

स्वर्णिम भारत मंच के दिनेश श्रीवास्तव ने बताया कि 5 जनवरी 2025 को आयोजित बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों की रूपरेखा तैयार की जाएगी। बैठक में स्वर्णिम भारत मंच के सदस्यों और स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ, समाजसेवियों और युवाओं की भी भागीदारी होगी। बैठक का उद्देश्य कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी व सुव्यवस्थित बनाना है।

## अनुसंधान समाज विज्ञान की आधारशिला है-आचार्य शैलेन्द्र पाराशर

उज्जैन। प्राचीन काल से आधुनिक युग तक की यात्रा में मनुष्य अपनी आवश्यकताओं, समस्याओं एवं जीवनोपयोगी संसाधनों की पूर्ति के लिए अनुसंधानों के माध्यम से समाधान ढूंढने के लिए सदैव प्रयत्नशील रहा है। सामाजिक विज्ञान में शोध लेखन मानव व्यवहार संबंधों और सामाजिक संरचनाओं की जटिलता को सुलझाने में सक्षम बनाता है। अनुसंधान समाज विज्ञान की आधारशिला है। उक्त उद्गार समाज वैज्ञानिक आचार्य शैलेंद्र पाराशर ने सामाजिक विज्ञान शोध संस्थान, उज्जैन में 'समाज विज्ञानों में अनुसंधान अभिमुखीकरण' विषय के पांच दिवस कार्यक्रम के तृतीय दिवस के सत् में अनुसंधान प्रतिवेदन लेखन विषय पर व्याख्यान में संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

# सिंधिया जी के जन्मोत्सव पर बच्चो को वितरण किये ऊनी वस्त्र

उज्जैन । केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्रीमंत ज्योतिराज सिंधिया के जन्मोत्सव पर महामंगल इंटरप्राईजेस, उज्जैन के तत्वाधान में ग्राम पिग्लेश्वर मंदिर प्रागंण में कड़ाके की सर्दी मे शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय के छात्र/छात्राओं एवं क्षेत्र के बुजुर्ग रहवासियो को स्वेटर और शाल का वितरण पूर्व विधायक एवं महंत राजेन्द्र भारती के करकमलो द्वारा किया गया, इस अवसर पर बी.आर.सी राजकुमार पाल, जनशिक्षक इंदर सिंह बघेल, ग्राम पंचायत सरपंच अर्जुन शफी पटेल, शिक्षक महेश निगम, शिक्षक यशवन्त वाडिया, शिक्षिका नर्गिस खान, खेरुनिशा खान एवं महामंगल इंटरप्राईजेस के हर्षद निगम, कपिल चौहान, इंद्रजीत सिंह भाटिया, लक्ष्यवर्द्धन पाल, धर्मेन्द्र पाण्डेय, सूरज माली एवं क्षेत्र के गणमान्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती जी महाराज की अध्यक्षता में निकली अटल अखाड़े की पेशवाई

उज्जैन। अटल पीठाधीश्वर राजगुरु आचार्य महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी विश्वात्मानंद सरस्वती जी महाराज की अध्यक्षता में प्रयागराज कुंभ में अटल अखाड़े की पेशवाई भव्य स्वरूप में निकली।

महाराजश्री के अनुयायी अजीत मंगलम ने बताया कि प्रयागराज में संगम की रेती पर महाकुंभ की चकाचौंध बिखेरने के साथ ही श्रीशंभू पंचदशनाम अटल अखाड़े के छावनी प्रवेश में सांस्कृतिक विविधता के रंग छा गए। सुसज्जित रथों, घोड़ों और बग्घियों पर अखाड़े के महामंडलेश्वर और महंत चांदी के सिंहासनों पर सवार होकर निकले। बैंडबाजे पर भक्तिधुनों के साथ रास्ते भर पुष्प वर्षा होती रही। अखाड़े के महामंडलेश्वर और संत महात्मा शाही रथों पर रखे चांदी के सिंहासन पर छत्र और चंवर के साथ विराजमान थे। सबसे बड़े और सुसज्जित रथ पर अखाड़े के पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विश्वात्मानंद के नेतृत्व में निकली छावनी प्रवेश शोभायात्रा का मेला प्रशासन के अफसरों ने स्वागत किया।

संगम की रेती पर 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा की प्रथम डुबकी के साथ ही भव्य महाकुंभ का शुभारंभ हो जाएगा। इसके लिए अखाड़ों के नागा संन्यासी अभी से अलग-अलग सेक्टरों में अपना धूना लगा रहे हैं। अब तक आठ अखाड़े छावनी प्रवेश कर चुके हैं।

शैव परंपरा के प्राचीनतम अखाड़ों में से एक श्रीशंभू पंचदशनाम अटल अखाड़े नगर प्रवेश शोभायात्रा में साधु-संतों का रेला उमड़ पड़ा। अटल अखाड़े के नगर प्रवेश में आस्था और संस्कृति के विविध रंग देखने को मिले। अटल अखाड़े की छावनी प्रवेश शोभायात्रा बक्शी बांध स्थित आश्रम से दिन के 11 बजे आरंभ हुई। दारागंज की गलियों से होकर वेणी माधव, निराला चौराहा होते हुए परेड से शोभायात्रा महाकुंभ के लिए अखाड़ा नगर में बसाई गई छावनी में प्रवेश कर गई।

छावनी प्रवेश शोभायात्रा में सबसे आगे धर्म ध्वजा और घोड़े पर डंका निशान चल रहा था। इसके बाद अखाड़े के आराध्य देव भगवान गजानन की पालकी रथ पर सजाई गई थी। रथ पर गजानन भगवान की पालकी का लोग दर्शन कर रहे थे। इसके ठीक पीछे अखाड़े के नागा साधु घोड़े पर सवार होकर चल रहे थे। बड़ी संख्या में नागा तलवार, भाला और लाठी भांजते पैदल चल रहे थे। नागा संन्यासियों के शस्त्र का प्रदर्शन को देखने के लिए रास्ते भर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। लोग जय घोष करते हुए आगे बढ़ रहे थे।

# बसंत बहार म्यूजिकल कल्चरल सोसायटी ने किया नई प्रतिभाओं को सम्मानित

उज्जैन। नव वर्ष के उपलक्ष्य में बसंत बहार म्यूजिकल कल्चरल सोसायटी द्वारा मक्सी रोड स्थित चकोर पार्क में रंगारंग संगीत का आयोजन किया गया। इसमें नगर के गायक सहित इंदौर, सुसनेर के कलाकारों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि इंदौर के योगेंद्र महंत, बंटी बैरागी इंदौर, मनोहर बैरागी, श्याम सोलंकी, रवि शर्मा, आनंद खींची, पुरुषोत्तम मालवीय थे। अतिथियों द्वारा सैकड़ों नई प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। गीतों की प्रस्तुति संयोजक दिलीप रानीवाल, अनिल कहार, जितेन्द्र बैरागी, मिताली रघुवंशी, सुनीता साहू, अश्लेषा नायक, राजेश सोनी सुसनेर, राजेश बैरागी, लोधी नीरज कुमार, शानू वर्मा, रवींद्र आयचीत, रामप्रसाद वर्मा, महेश प्रजापत, कैलाश गोयल, सुरेशचन्द्र सरवटे, सुनील माथुर ने गीतों की प्रस्तुति दी। आभार कैलाश गोयल ने माना। इस अवसर पर चकोर पार्क घूमने वाले हजारों लोगों ने संगीत का आनंद लिया। संगीत की धुन पर गार्डन में आए सभी लोग झूम उठे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com